मध्यप्रदेश शासन
वन विभाग

मध्यप्रदेश वनांचल संदेश

अक्टूबर-दिसम्बर, 2017

MADHYA PRADESH VANANCHAL SANDESH

October- December, 2017

RNI Reference No. : 1322876 Title Code : MPHIN34795

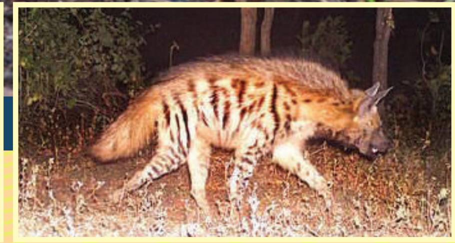

Photo Credit
Outer Cover : Varun Thakkar | Inner Cover : Sidhhartha Vineet

मध्यप्रदेश शासन वन विभाग

मध्यप्रदेश वनांचल संदेश

अक्टूबर-दिसम्बर, 2017

MADHYA PRADESH VANANCHAL SANDESH

October- December, 2017

Patron :
Dr. Animesha Shukla
Principal Chief Conservator of Forests
(HOFF), Satpura Bhawan, Bhopal

Editorial Board :
Shahbaz Ahmad
Principal Chief Conservator of Forests
(Research, Extension and Lok Vaniki)

Dr. S.P. Rayal
Additional Principal Chief Conservator of
Forests (Development)

Dr. Abhay Kumar Patil
Additional Principal Chief Conservator of
Forests (Complaints and Redressal)

Dr. P.C. Dubey
Additional Principal Chief Conservator of
Forests (Research, Extension and Lok Vaniki)

Alok Kumar
Additional Principal Chief Conservator of
Forests (Wildlife)

Dr. Pankaj Srivastava
Additional Principal Chief Conservator of
Forests (JFM/FDA)

Sameeta Rajora
Chief Conservator of Forests
Director, Van Vihar

B.K. Dhar
Prachar Adhikari

Editor :
Dr. Pankaj Srivastava
APCCF

Prachar Prasar Prakosth Team :
S.P. Jain, DCF
Rohan Saini, Coordinator

Contact :
Prachar Prasar Prakosth, Room No. 140,
Satpura Bhawan, Bhopal
Email : dcfpracharprasar@mp.gov.in
Contact : 07552524293

Owner & Publisher:
Prachar Prasar Prakosth

Kukru Khamla, Betul , Madhya Pradesh

The views expressed in various articles belong to the authors of the article. Madhya Pradesh Forest Department may not agree with the views expressed by authors and will not be responsible for the correctness of the article. Madhya Pradesh Forest Department is not responsible for any liability arising out of context/text of the article published in this magazine.

No part of this magazine can be reproduced and published without the consent of the publisher of Madhya Pradesh Vananchal Sandesh. All legal disputes will come under the jurisdiction of Bhopal, Madhya Pradesh

विषय सूची

1. 6 वां अंतर्राष्ट्रीय वन मेला 1
2. केन्द्रीय मंत्री ने किया वन विहार राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण 4
3. वन्यप्राणी सप्ताह 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 6
    - वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में मनाया गया वन्यप्राणी सप्ताह 8
    - कान्हा टाइगर रिजर्व में मनाये गए वन्यप्राणी सप्ताह की झलकियां 13
    - राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर में वन्यप्राणी सप्ताह का आयोजन 14
4. दीनदयाल वनांचल सेवा 15
5. अनुभूति कार्यक्रमः- वन, वन्यप्राणियों एवं पर्यावरण का संरक्षण 17
6. राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव 2017 19
7. अखिल भारतीय बाघ गणना वर्ष 2018 की तैयारियां 22
8. राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर की गतिविधियाँ 24
9. राज्य स्तरीय टाईगर स्ट्राइक फोर्स की उपलब्धियां 26
10. नवाचार 27
    - Close to My Heart 27
    - अनुसंधान/विस्तार वृत्तों की रोपणियों में किए जाने वाले नवीन प्रयोग 28
11. सफलता की कहानी 30
    - संजीवनी आयुर्वेद केन्द्र 30
    - म. प्र. राज्य वन विकास निगम में सागौन रोपणियों की सफलता की कहानी 30
12. विविधा 33
    - विभागीय समाचार एवं गतिविधियां 33
    - मध्यप्रदेश की राज्य मछली नर्मदा महाशीर के कृत्रिम प्रजनन में सफलता 34
    - 5 वर्ष के बच्चे ने लिया अजगर (Python) को गोद 34
    - Vulture Atlas of Madhya Pradesh 36
13. अखबारों के आइने से 38
14. प्रशंसा एवं पारितोषिक 41
    - श्री आर. श्रीनिवास मूर्ति, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 41
    - भारतीय वन सेवा के अधिकारियों की सेवानिवृत्ति माह (अक्टूबर-दिसंबर, 2017) 41
15. हरित साहित्य 42
    - माटी 42
    - दोहे तरुण के 43
16. Ecotourism Destination : Patalkot 44

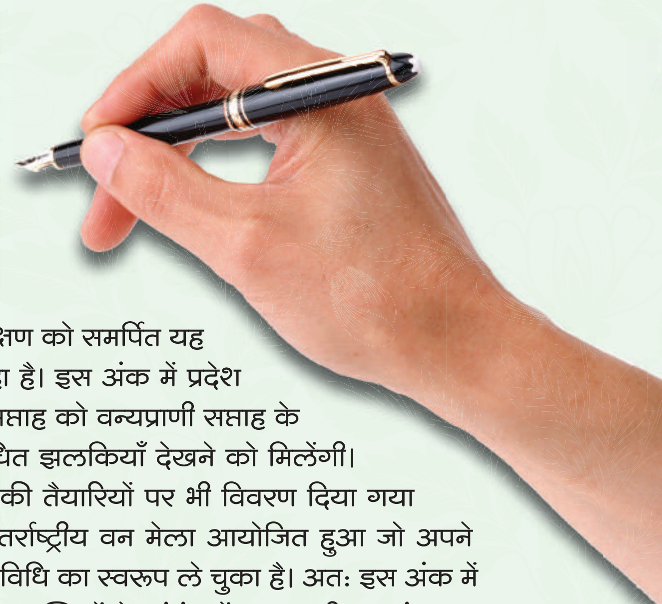

संपादकीय

मध्यप्रदेश वनांचल संदेश का वन्यप्राणी संरक्षण को समर्पित यह अंक प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है। इस अंक में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह को वन्यप्राणी सप्ताह के रूप में मनाये जाने की गतिविधियों से संबंधित झलकियाँ देखने को मिलेंगी। अखिल भारतीय बाघ आकलन वर्ष 2018 की तैयारियों पर भी विवरण दिया गया है। इसी के साथ इसी त्रै-मास में छठवाँ अंतर्राष्ट्रीय वन मेला आयोजित हुआ जो अपने आप में एक अत्यंत लोकप्रिय और बड़ी गतिविधि का स्वरूप ले चुका है। अतः इस अंक में छठवें अंतर्राष्ट्रीय वन मेले के आयोजन व उपलब्धियों के संबंध में जानकारी का संकलन किया गया है। मध्यप्रदेश की राज्य मछली नर्मदा महाशीर के पहली बार वन क्षेत्रों की जलधाराओं में कृत्रिम प्रजनन में सफलता की उपलब्धि को भी इस अंक में लिया गया है जो इस संकटापन्न हो चली प्रजाति की पुनर्स्थापना की दिशा में एक बड़ा कदम है। मध्यप्रदेश ईकोपर्यटन बोर्ड द्वारा एक वर्ष पहले प्रारंभ किया गया अनुभूति कार्यक्रम स्कूली बच्चों के माध्यम से प्रदेश की नई पीढ़ी को वनों, वन्यप्राणियों और प्रकृति के नज़दीक लाने और वन संरक्षण के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने का एक अच्छा मंच बन चुका है। इस वर्ष एक लाख से अधिक बच्चों को अनुभूति कार्यक्रम में जोड़ा गया है, अतः इस पर भी सचित्र जानकारी दी गई है।

मध्यप्रदेश वनांचल संदेश को वन कर्मियों की सकारात्मक भागीदारी से चलने वाला एक जीवंत संदेश वाहक बनाने की हमारी कोशिश है। अतः अगले अंक से Foresters Creativity नामक एक स्तंभ प्रारंभ किया जा रहा है। जिसमें चित्रकला, संगीत एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में दखल रखने वाले वनकर्मियों की मौलिक कृतियों को भी स्थान दिया जायेगा। क्षेत्रीय अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनता को दिलाने में विभागीय सहयोग की जानकारियाँ साझा करें। आशा है कि आप सभी के सक्रिय सहयोग से म.प्र. शासन, वन विभाग की उल्लेखनीय गतिविधियों को जनसाधारण तक पहुँचाने से वनों, वन्यप्राणियों और वनवासी समुदायों के कल्याण की राह आसान होगी।

डॉ. पंकज श्रीवास्तव

1 6 वां अंतर्राष्ट्रीय वन मेला

दिनांक 14 से 20 दिसम्बर, 2017, भोपाल

वन हमेशा से ही परम्परागत आर्थिक प्राप्तियों एवं स्वास्थ्य आजीविका सुरक्षा के स्त्रोत रहे हैं तथा वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में वनों का एक विशिष्ट योगदान है। वनों से खाद्य उत्पादन, परम्परागत औषधियां तथा आजीविका प्राप्ति के लिए वनीय संसाधनों का समुचित एवं संवहनीय उपयोग सुनिश्चित करना वर्तमान में महत्वपूर्ण आवश्यकता एवं समय की महत्वपूर्ण मांग है।

डॉ. हर्षवर्धन, मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय वन मेला 2017 का उद्घाटन करते हुए। डॉ. गौरीशंकर शेजवार मंत्री मध्यप्रदेश शासन वन, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, श्री विश्वास सारंग सहकारिता (स्वतंत्र प्रभार), भोपाल गैस त्रासदी राहत तथा पुनर्वास (स्वतंत्र प्रभार), पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्री महेश कोरी, अध्यक्ष म.प्र. लघु वनोपज संघ भी शामिल हुए।

विश्वस्तर पर स्वीकार्यता की ओर अग्रसर आयुर्वेद की लोकप्रियता का प्राचीनतम आधार हमारे वनों में पायी जाने वाली औषधीय जड़ी-बूटियां ही हैं। हमारे राष्ट्र ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण जगत की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति होने के नाते आज हर्बल उत्पादों का बोलबाला है। विश्व में भारतीय चिकित्सा पद्धति, योग एवं आयुर्वेद का महत्व बढ़ा है, जिसमें हर्बल उत्पादों की बढ़ती हुई लोकप्रियता से विश्वस्तरीय मांग में निरंतर वृद्धि हो रही है।

मध्यप्रदेश शासन, वन विभाग एवं मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा वन मेले का आयोजन वर्ष 2001 से निरंतर किया जा रहा है। वन मेले के आयोजन का प्रदेश से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक का विस्तार लघु वनोपजों के वैभव एवं सम्पन्नता, ग्रामीण आजीविका एवं निर्भरता को प्रदर्शित करता है। वन मेला देश में इस प्रकार का एक विरला एवं अनूठा आयोजन है। अन्तर्राष्ट्रीय वन मेला एक ऐसा मंच है, जहां लघु वनोपजों के संग्राहक, प्रसंस्करणकर्ता, विनिर्माणकर्ता, अनुसंधानकर्ता, हर्बल निर्माता व उत्पादक देश एवं प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता, संस्कृति एवं औषधियों के परम्परागत ज्ञान को आत्मसात करते हैं।

इस वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय वन मेले की विषयवस्तु ''जागरूकता एवं स्थानीय पारंपरिक ज्ञान के प्रसार से अकाष्ठीय वनोपज का संरक्षण'' रखी गई।

दिनांक 14 दिसम्बर को माननीय केन्द्रीय मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, भारत सरकार डॉ. हर्षवर्धन जी के मुख्य आतिथ्य में वन मेले का शुभारम्भ किया गया। सात दिवसीय वन मेले में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा लगभग एक लाख लोगों ने मेले का लुत्फ उठाया। विगत वर्षों की तुलना में इस मेले की अवधि दो दिन अधिक रही तथा इसकी भव्यता भी अधिक रही ।

स्टालों की संख्या भी विगत वर्षों की तुलना में अधिक रही। इस वर्ष कुल 302 स्टाल लगाये गये जिसमें 4 स्टाल नेपाल, बांग्लादेश एवं भूटान के, 30 स्टाल विभिन्न प्रदेशों के, मध्यप्रदेश के 92 स्टाल जिसमें 76 जिला यूनियनों के, 16 स्टाल शासकीय प्रदर्शनी से संबंधित थे। ओपीडी के 33 स्टाल स्थापित किये गये एवं लगभग 200 आयुर्वेदिक डॉक्टर, 10 यूनानी डॉक्टर तथा 100 नाड़ी वैद्यों के द्वारा लगभग 3000 लोगों को नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श प्रदान किया गया।

इस वर्ष मेले में लगभग 80 लाख रुपये के उत्पादों की बिक्री हुई। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी क्रेता-विक्रेता सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें लगभग 156 लाख के 22 एमओयू निष्पादित किये गये।

मेले में आयेजित कार्यशाला में बांग्लादेश, नेपाल तथा मध्यप्रदेश के बाहर के विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे तथा लघु वनोपजों के प्रबंधन एवं संरक्षण के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। मेले में प्रत्येक दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा स्कूल के बच्चों के लिये विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मेले में खान-पान की व्यवस्था के साथ-साथ साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया।

मेले का समापन दिनांक 20 दिसम्बर, 2017 को माननीय वन मंत्री, मध्यप्रदेश शासन डॉ. गौरीशंकर शेजवार के मुख्य आतिथ्य में एवं माननीय अध्यक्ष, मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज श्री महेश कोरी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

समापन समारोह

2 केन्द्रीय मंत्री ने किया वन विहार राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण

डॉ. हर्षवर्धन, मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली ने किया वन विहार राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण

डॉ. हर्षवर्धन, मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली, डॉ. गौरीशंकर शेजवार, मंत्री वन, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, मध्यप्रदेश शासन, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वन विहार राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण करते हुए।

दिनांक 14.12.2017 को डॉ. हर्षवर्धन, मान. मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा वन विहार राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान डॉ. गौरीशंकर शेजवार, मान. मंत्री वन, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, मध्यप्रदेश शासन, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख डॉ. अनिमेष शुक्ला, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री जितेन्द्र अग्रवाल एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मान. केन्द्रीय मंत्री द्वारा भ्रमण के दौरान स्वतंत्र रूप से विचरण कर रहे शाकाहारी वन्यप्राणियों तथा बाड़ों में रखे गये मांसाहारी वन्यप्राणियों का अवलोकन किया गया। माननीय मंत्रीजी द्वारा वनविहार में स्थापित बारासिंघा प्रजनन केन्द्र का भी अवलोकन किया एवं किये जा रहे प्रयासों को सराहा। वन विहार, राष्ट्रीय उद्यान एवं जू के साथ-साथ रेस्क्यू सेंटर के रूप में स्थापित है।

माननीय मंत्रीजी द्वारा जू के कार्यों के साथ-साथ बाघ एवं सिंह के रेस्क्यू सेंटर के कार्यों के सफल सम्पादन हेतु सराहना की। वन विहार में वाईल्ड लाईफ एस.ओ.एस. संस्था द्वारा संचालित बियर रेस्क्यू सेंटर में रखे भालुओं का भी अवलोकन किया। माननीय मंत्रीजी ने वन विहार भ्रमण को एक सुखद अनुभव बताया। माननीय मंत्रीजी ने म.प्र. वन विभाग द्वारा वन्यप्राणियों के संवर्धन एवं संरक्षण के लिये किये जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा की एवं वन विहार प्रबंधन एवं कर्मचारियों द्वारा वन्यप्राणियों के रखरखाव हेतु समर्पण भाव से किये जा रहे कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

डॉ. हर्षवर्धन, मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में सिंह का अवलोकन करते हुए

डॉ. हर्षवर्धन, मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली, डॉ. गौरीशंकर शेजवार, मंत्री, वन, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी , मध्य प्रदेश शासन, वरिष्ठ अधिकारी एवं वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के कर्मचारियों के साथ